DSSSB + SSC MTS
दफ्तरी बैच & WINNER BATCH
STATIC G.K
वाद्ययंत्र
LIVE 28-03-2024 12:00 PM

लक्ष्यद्वीप Lakshadweep

लक्ष्य

लावा, परिचकली, कोलकाली

Lava, Parichakali, Kolkali

जम्मू और कश्मीर Jammu and Kashmir

हिकात, मंदजाल, कूद, दण्डीनाच, दमाली, हफीजा, रऊफ, डुम्हाल

Hikat, Mandjal, Kud, Dandinach, Damali, Hafiza, Rauf, Dumhal

लद्दाख Ladakh

शोंडोल (लद्दाख का शाही नृत्य) शोन, ड्रगपा–रचेस, जबरो, बैगस्टोनर्चेस, लामा, कोशन, तुखतनमो, सुरही, यॉक

Shondol, Shone, Dragpa-Raches, Jabro, Bagstonearches, Lama, Koshan, Tukhtanmo, Surahi, Yak

दमन और दीव Daman and Diu

मंडो, वर्दी गाओ, वीरा

Sing mando, vardi, veera

पुडूचेरी – PUDUCHERY –

गराडी GARADI

ग्रिड़ा : मध्य प्रदेश
गिद्दा : पंजाब

संगीत वाद्य यंत्र Musical Instruments

❖ किसी भी संगीत के लिए, संगीत वाद्य यंत्रों के बारे में जानना आवश्यक होता है। सम्मिलित वाद्य यंत्र के प्रकार के आधार पर एवं नाट्यशास्त्र के अनुसार संगीत वाद्य यंत्रों की चार प्रमुख पारंपरिक श्रेणियाँ हैं। ये हैं

For any music, it is necessary to know about musical instruments. Based on the type of instruments involved and according to Natyashastra, there are four main traditional categories of musical instruments. these are

1. अवनद/अवनद्ध वाद्य Avanad/Avanaddha Instrument

❖ (ये Membranophonic वाद्य यंत्र हैं, क्योंकि इनमें बाहरी झिल्ली होती है, जिससे विशेष संगीतात्मक ध्वनि निकालने के लिए इन पर आघात किया जाता है। इन्हें आघात वाद्य यंत्र के रूप में भी जाना जाता है

(These are Membranophonic instruments, because they have an outer membrane, which is struck to produce a particular musical sound. They are also known as percussion instruments

अवनद

❖ सामान्यत: इस श्रेणी में सम्मिलित संगीत वाद्य यंत्र हैं : तबला, ड्रम, ढोल, कांगो, मृदंग, डुग्गी आदि। जहाँ तबला अधिकांश हिन्दुस्तानी शास्त्रीय कंठ संगीत की संगत है, वहीं मृदंग कर्नाटक संगीत के प्रदर्शनों के साथ संगत करनेवाला वाद्य यंत्र है।

North

South

Generally the musical instruments included in this category are: Tabla, Drum, Dhol, Kango, Mridang, Duggi etc. While the tabla is an accompaniment to most Hindustani classical vocal music, the mridangam is an accompaniment to Carnatic music performances.

2. सुषिर वाद्य Wind Instrument

- ये aerophone श्रेणी के हैं, अर्थात् इनमें सभी वायु वाद्य यंत्र सम्मिलित हैं। सबसे आम वाद्य यंत्रों में बाँसुरी, शहनाई, पुंगी, आदि शामिल हैं। इस श्रेणी में सबसे आम, लेकिन बजाने में दुष्कर वाद्य यंत्र शहनाई है।

These belong to the aerophone category, that is, they include all wind instruments. The most common musical instruments include flute, shehnai, pungi, etc. The most common but difficult to play instrument in this category is the Shehnai.

3. घन वाद्य Cube Instrument

❖ यह नॉन ड्रम आधात यंत्र की शैली है, जिसके लिए किसी भी ट्यूनिंग की आवश्यकता नहीं होती है। इन्हें इडियो फोन भी कहा जाता है। घन वाद्य के सबसे लोकप्रिय उदाहरण मँजीरा, जलतरंग, काँच-तरंग, घुँघरू, घटम (मिट्टी के बर्तन का ढोल), करताल आदि हैं।

It is a non-drum style of instrument, which does not require any tuning. These are also called idio phones. The most popular examples of Ghan Vadya are Manjira, Jaltarang, Kanch-Tarang, Ghunghru, Ghatam (earthen pot drum), Kartal etc.

4. तत् वाद्य String instrument

❖ ये Cordophone या स्ट्रिंग तार वाद्य यंत्र हैं। इसकी ध्वनि में हाथ से संशोधन करने पर ये सबसे प्रभावपूर्ण संगीत उत्पन्न करते हैं। तत् वाद्य यंत्रों के तीन प्रमुख प्रकार हैं :

These are Chordophone or stringed string instruments. By manually modifying its sound, it produces the most impressive music. There are three main types of musical instruments:

❖ **(a) धनुषाकार :** वे वाद्य यंत्र, जिनमें ध्वनि तार के आर-पार धनुष (कमानी) चलाकर निकाली जाती है। उदाहरण के लिए, सारंगी, इसराज / दिलरूबा और वायलिन।

Bowed: Those musical instruments in which sound is produced by moving a bow (spring) across the strings. For example, Sarangi, Israj/Dilruba and violin.

❖ **(b) प्लेक्टोरल :** वे वाद्य यंत्र, जिनमें तार को उँगलियों से या तार या सींग से खींचा जाता है। उदाहरण के लिए, सितार, वीणा, तानपुरा, गिटार आदि।

Plectoral: Those musical instruments in which the strings are plucked with fingers or with strings or horns. For example, Sitar, Veena, Tanpura, Guitar etc.

❖ (c) वे वाद्य यंत्र, जिन पर छोटी-सी हथौड़ी या डंडों के जोड़ों से आघात किया जाता है। उदाहरण के लिए, गोटूवाद्यम् और स्वरमंडल

Those musical instruments, which are struck with small hammers or joints of sticks. For example, Gotuvadyam and Swaramandal

1. Musical Instrument

↓

4 Type

1. आघात / अवनद - ढोल

2. वायु / सुषिर -: बीन, बाँसुरी

3. तंत् - तार → सारंगी, वीणा

4. घन -: cube -: घुँघरू, मंजीरा

❖ संतूर Santoor

यह एक 100 तारवाला वाद्य यंत्र है और प्राचीन काल से जम्मू और कश्मीर का पारंपरिक वाद्य यंत्र है। सूफ़ियाना कलाम संगीत के साथ संतूर की संगत होती है।

It is a 100 stringed musical instrument and is a traditional musical instrument of Jammu and Kashmir since ancient times. Sufiana Kalam music is accompanied by Santoor.

लोक संगीत वाद्य यंत्र Folk Musical Instruments

तारवाले वाद्य यंत्र (Chordophones)

❖ **तुम्बी :** इसे पंजाब में भाँगड़ा के दौरान बजाया जाता है।
Tumbi: It is played during Bhangra in Punjab.

❖ **एकतारा :** यह एक तारवाला यंत्र है, जिसे घुम्मकड़ साधुओं द्वारा बजाया जाता है। **Ektara: It is a stringed instrument, which is played by wandering monks.**

❖ **दोतारा :** दो तारवाला यंत्र, जिसे बाउल द्वारा बजाया जाता है।

Dotara: Two stringed instrument, which is played with a bowl.

❖ **चिकारा :** मुड़ा हुआ यंत्र, जिसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में उपयोग किया जाता है।

Chikara: Bowed instrument, used in Rajasthan, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.

❖ **दिलरूबा या इसराज :** पंजाब में और पूर्वी भारत में रवीन्द्र संगीत के दौरान संगत के लिए उपयोग किया जाता है। **Dilruba or Israj: Used for accompaniment during Rabindra Sangeet in Punjab and in eastern India.**

❖ **ओनाबिल्लू :** केरल में, बाँस से बना होता है ।

Onavillu: In Kerala, made of bamboo

❖ **सारिंदा :** महत्त्वपूर्ण जनजातीय वाद्य यंत्र। पूर्वी भारत में संथालों द्वारा बजाया जाता है। इसे राजस्थान और असम में भी उपयोग किया जाता है। यह सारंगी जैसा होता है।

Sarinda: Important tribal musical instrument. Played by the Santhals in Eastern India. It is also used in Rajasthan and Assam. It is like a Sarangi.

❖ **टिगंटीला :** वायलिन के समान और नागालैंड मूल का एक दुर्लभ उपकरण।

Tigantila: Similar to the violin and a rare instrument of Nagaland origin.

❖ **कमाइचा :** यह एक झुका हुआ वाद्ययंत्र है, जिसका प्रयोग अक्सर मांगणियार समुदाय द्वारा राजस्थानी लोक संगीत में किया जाता है। Kamaicha: It is a bowed instrument, often used in Rajasthani folk music by the Manganiyar community.

फूँक से बजाये जानेवाले यंत्र (Aerophones)

❖ **पुंगी या बीन :** इसका उपयोग सपेरों द्वारा किया जाता है। इसे सुखायी हुई तुरई और दो बाँस की छड़ियों द्वारा बनाया जाता है।

Pungi or Bean: It is used by snake charmers. It is made from dried ridge gourd and two bamboo sticks.

❖ **अलगोजा :** इसमें दो बाँसुरियाँ होती हैं और उत्तरी-पश्चिमी भारत, विशेषकर पंजाब में लोक संगीत वाद्य के रूप में लोकप्रिय है।

Algoza: It consists of two flutes and is popular as a folk musical instrument in north-western India, especially Punjab.

→ निम्नलिखित में से कौन सा सुषिर (Air) वाद्य यंत्र नही है -

1. बीन
2. अलगोजा
3. बाँसुरी
4. संतूर → String

❖ **तंगमुरी :** यह मेघालय के खासी पर्वतीय क्षेत्र के लोगों का एक लोक संगीत वाद्य है।

Tangmuri: It is a folk musical instrument of the people of the Khasi Hills region of Meghalaya.

❖ **तिट्टी :** यह बैगपाइपर के समान होता है एवं बकरी की खाल से निर्मित होता है। इसे दक्षिण भारत, विशेषकर केरल और आंध्रप्रदेश में बजाया जाता है।

Titti: It is similar to a bagpiper and is made from goat skin. It is played in South India, especially Kerala and Andhra Pradesh.

❖ **मशक :** उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश का महत्त्वपूर्ण लोकसंगीत वाद्य है।

Mashak: It is an important folk musical instrument of Garhwal region of Uttarakhand, Rajasthan and Uttar Pradesh.

❖ **गोगोना :** यह बाँस से निर्मित होता है एवं असम के बिहू पर्व में उपयोग किया जाता है। **Gogona: It is made of bamboo and is used in the Bihu festival of Assam.**

- एजुक तपुंग : संपेरों की बीन जैसा और असम मूल का एक दुर्लभ उपकरण।

Ejuk Tapung: Like a snake charmer's lute and a rare instrument of Assam origin.

आघात से बजाये जानेवाले वाद्य यंत्र (Membranophones)

- M. Imp ❖ **घुमोट :** यह ड्रम जैसा होता है और इसे गोवा में गणेश उत्सव में बजाया जाता है। Ghumot: It is like a drum and is played during Ganesh Utsav in Goa.

- Imp ❖ **इदक्का :** यह डमरू जैसा होता है और केरल में उपयोग किया जाता है। Idakka: It is like Damru and is used in Kerala.

- ❖ उदुकई : यह तमिलनाडु से बालूघड़ी के आकार का डमरू जैसा यंत्र है।

  Udukai: It is a sand clock shaped drum like instrument from Tamil Nadu.

- ❖ सम्बल : यह ड्रम जैसा होता है। इसे महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में छड़ियों से बजाया जाता है।

  Sambal: It is like a drum. It is played with sticks in the Konkan region of Maharashtra.

❖ **तमक :** संथाल जनजाति का दो सिरोंवाला यह एक महत्त्वपूर्ण वाद्ययंत्र है, जिसे ड्रम स्टिक से बजाया जाता है।

Tamak: This is an important two-headed musical instrument of the Santhal tribe, which is played with drum sticks.

❖ **डिग्गी :** यह उत्तरप्रदेश के घड़िया गाँव का लोक - ढोलक है।

Diggi: This is the folk drum of Ghariya village of Uttar Pradesh.

टकराने से ध्वनि उत्पन्न करनेवाले यंत्र (Idiophones)

❖ **चिमटा :** आग में उपयोग किये जानेवाले चिमटे से विकसित हुआ और पंजाब में उपयोग किया जाता है।

Chimta: Developed from fire tongs and used in Punjab.

मंजीरा :- मंजीरा भजन में प्रयुक्त होने वाला एक महत्वपूर्ण वाद्य है। इसमें दो छोटी गहरी गोल मिश्रित धातु की बनी कटोरियाँ जैसी होती है। इनका मध्य भाग गहरा होता है। इस भाग में बने गड्ढे के छेद में डोरी लगी रहती है। ये दोनों हाथों से बजाए जाते हैं, दोनों हाथों में एक-एक मंजीरा रहता है। परस्पर आघात करने पर ध्वनि निकलती है।

❖ **खरताल** :- एक प्राचीन वाद्य यंत्र है जिसका प्रयोग मुख्यत: भक्ति/लोक गीतों में किया जाता है। इसका नाम संस्कृत के शब्द 'कारा' का अर्थ हाथ और 'ताला' का अर्थ ताली से है। यह लकड़ी का क्लैपर घाना वाद्य है जिसमें डिस्क या प्लेट होते हैं जो एक साथ ताली बजाने पर क्लिंकिंग ध्वनि उत्पन्न करते हैं।

भारतीय राज्यों के प्रमुख वाद्ययंत्र

वाद्य यंत्र/ Musical Instruments	राज्य /State
पेना, पुंग /Pena, Pung	मणिपुर Manipur
पोनू योक्सी /Ponu Yoxi	अरूणाचल प्रदेश
अमेबाली, किरिंग, गुगा Amebali, Kiring, Guga	Arunachal Pradesh
अलगोजा, कामाइचा, मारचंग, करताल Algoja, Kamaicha, Morchang, Kartal	राजस्थान Rajasthan

- चिंकारा/ Chinkara → मध्य प्रदेश Madhya Pradesh
- घटम Ghtam → आन्ध्र प्रदेश Andhra Pradesh
- पखावज Pakhavaj → बिहार Bihar
- सुन्दरी, इकतारा/ Sundri, Iqtara → महाराष्ट्र Maharashtra
- मर्दल, महुरी, धेनका / Mardal, Mahuri, dhenka → ओडिशा Odisha
- खुआंग / Khuang → मिजोरम Mizoram
- पावा, तुरी, बंगाल /Pava, Turi, Bengal → गुजरात Gujarat
- पेपा, टोका, गोगोना → असम Assam

- भुआंग, सिंगा/**Bhuang, Singa** → झारखण्ड (संथाल) Jharkhand (Santhal)
- हुडकी /**Hudki** → उत्तराखण्ड Uttarakhand
- घूमोट /**Ghamot** → गोवा Goa
- सुसिरा/**Susira** → सिक्किम Sikkim
- डोटारा, श्रीखोल / **Dotara, Shrikhol** → पश्चिम बंगाल West Bengal
- कुजहल /**Kujhal** → केरल Kerala
- डुगडुगी, नादस्वरम **Nadswram/Dugdugi** → तमिलनाडू Tamil Nadu

वाद्ययंत्र एवं वादक

भारत के प्रमुख वाद्ययंत्र और उनके वादक

1. तबला/Tabla

अल्लारक्खा खाँ

जाकिर हुसैन (सबसे कम उम्र (37 वर्ष) में पद्म श्री (1988) + पद्म भूषण–2002) + पद्म विभूषण –2023

किशन महाराज,

(समता प्रसाद) गुदई महाराज

पंडित आनंद गोपाल, सुखविन्दर सिंह, लतीफ अहमद खाँ, फय्याज खान, स्वप्न चौधरी, अनोखे लाल मिश्र, पंडित जसराज, निखिल ज्योति घोष, तनमय बोंस, विक्रम घोष, आनन्द गोपाल बंदोपाध्याय, रविन्द्र यावागल, कुमार बोष, पं. नयन घोष, पंडित शंकर घोष, पंडित उदय मजूमदार, पंडित विजय घटे, संदीप दास

2. सितार/Sitaar

बेटी – अनुष्का शंकर

पंड़ित रविशंकर

- आत्मकथा – My life My Music
- भारत रत्न – 1999
- पद्म विभूषण – 1981
- पद्म भूषण – 1967
- रमन मैग्सेसे – 1992

पत्नी : अन्नपूर्णदेवी
(रोशन आरा खाँ)
सुरबहार वाद्ययंत्र

उमाशंकर मिश्र

बुद्धादित्य मुखर्जी, निखिल बनर्जी
विलायत खॉ, बंदे हसन
शाहिद परवेज, राजीव जनार्दन
मंजू नंदन मेहता, कुशल दास
कार्तिक कुमार, अरविन्द पारेख, हर शंकर भट्टाचार्य

3. बांसुरी/Flute

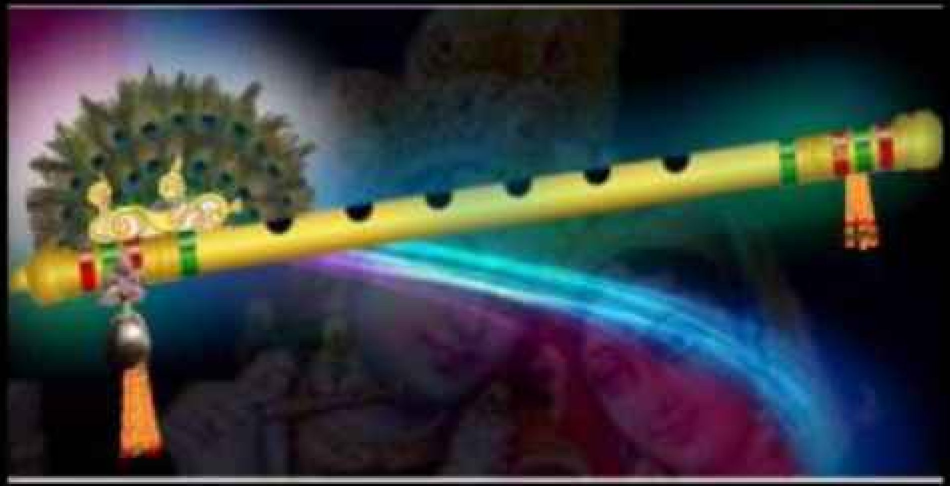

हरि प्रसाद चौरसिया

- पद्म विभूषण – 2000
- पद्म भूषण – 1992

पन्नालाल घोष (अमल ज्योति घोष)

वी. कुंजमणि

एन. नीला

राजेन्द्र प्रसन्ना

राजेन्द्र कुलकर्णी

चेतन कुमार जोशी, माला चन्द्रशेखर

रोनू मजूमदार, राकेश चौरसिया (ग्रैमी 2024), नित्यानंद हल्दीपुर, विवेक सोनार

4. शहनाई/Flageolat

1947 में लाल किले पर शहनाई

बिस्मिल्ला खाँ

चारों शीर्ष सम्मान

- भारत रत्न 2001
- पद्म विभूषण – 1980
- पद्म भूषण – 1968
- पद्म श्री – 1961

अली अहमद

हुसैन खॉ

दयाशंकर जगन्नाथ

बागेश्वरी कमर (इकलौती महिला)

कृष्णा आर चौधरी

एन. रमाणी

5. वीणा/Lute

एस. बाल चन्द्रन

कृष्ण भागवातार

बी.दोरो स्वामी

बदरुद्दीन डागर, जंयती कुमारेश, वीनै धनम्मल, ज्योति हेगडे, विश्व मोहनभट्ट, डी. बालकृष्णन, मधुवंती पाल, मोहिउद्दीन डागर, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, राजैश वैद्य, इमानी शंकर शास्त्री

6. सरोद/Sarod

अमजद अली खाँ **Amjad Ali Khan**

के दो पुत्र अमान अली खान

अयान अली खान

2014 – के Nobel Concert में

जरीन दारूवाला **Zareen Daruwala**

मुकेश शर्मा, हाफिज खाँ, अली अकबर खाँ, अलाउद्दीन खाँ, विश्वजीत राय चौधरी, बुद्ध देव दास गुप्ता, राजीव तारानाथ, विकास महाराज, तेजेन्द्र मजूमदार

7. मृदंग/Drum

टी. गोपालकृष्णन

पालधर रघु

ठाकुर भीकम सिंह

डॉ जगदीश सिंह, के शिवरामन, पी. मणिअय्यर, रजना स्वामीनाथन, टी. एस. नंद कुमार, पत्री सतीश कुमार, उमयालपुरम के शिवरामन, कराईकुडी आर मणि, रामनाद राघवन, दंडमुडी रायमोहन राव, शेख महबूब सुमानी, गुरूवयूर दोराई, ए.वी. आनन्द, तंजौर रामदास राव

8. वायलिन/Violin

टी.एन.कृष्णन

एल. सुब्रह्मण्यम

विष्णु गोविंद जोग (V.G. जोग)

डॉ. एन. राजन

संगीता राजन

कुनकैड़ी बैद्यनाथन, मोहनन चन्द्र शेखर, लालगुडी जयरामन, नागाई आर मुरलीधर

डी. वेंकट स्वामी, कला रामनाथ, एम. ए. सुन्दरश्वरम, संगीता शंकर, मोहनचन्द्र शेखर, रागिनी शंकर, ज्योत्स्ना, श्रीकांत, अभिजीत पी.एस. नायर

आंइस्टीन

वायलीन की रानी

- Dr. M ललिता
- M नंदिनी

9. संतूर/Santoor

शिवकुमार शर्मा → लोकप्रिय बनाया

- पद्म विभूषण – 2001
- पद्म श्री – 1991

रूस्तम सोपोरी ← भजन सोपोरी

→ सूफीयाना (घराना)

राहुल शर्मा, उल्हास बापट

अभय सोपोरी, सतीश व्यास

10. रुद्रवीणा/Rudraveena

उस्ताद सादिक अली खाँ
असद अली खाँ

11. पखावज/Pakhavaj

कुनाल पाटिल

केलूचरण महापात्र

→ मृदंगम, तबला, ओडिसी नर्तक

उस्ताद रहमान खॉ

तोता राम शर्मा, पंडित भवानी शंकर

ठाकुर लक्ष्मण सिंह

गोपाल दास

छत्रपति सिंह

मोहन श्याम शर्मा

डालचन्द शर्मा, पंडित प्रेम वल्लभ

पंडित पुरूषोत्तम दास

12. घटम/Ghatam

टी.एच. विनायकराम

ग्रेमी पुरस्कार (विजेता)

ई. एम. सुब्रमण्यम

विक्कू विनयाक्रम

त्रिखी शंकरन, टी.एन. राधाकृष्णन

गिरिधर उड्डुपा

13. सांरगी/Sarangi

शकूर खान Shakoor khan

पंड़ित राम नारायण

→ की बेटी अरूणा नारायण एकमात्र सारंगी वादक

इलियास खान

रमेश मिश्रा

सुल्तान खान

उस्ताद बुंदू खाँ

साबरी खान

सुहाली युसुफ खान

14. सिम्झनी/Simjhani

जुबिन मेहता

पद्म विभूषण – 2001

15. नादस्वरम्/Nadswaram

शेख चिन्नामौला

राजरत्न पिल्लई

नीरु स्वामी पिल्लई

लिडियन

तिरूवीझा जयशंकर

नामगिरिपेट्टई कृष्णन्न

16. तानपुरा Tanpura

भीमसेन जोशी

→ भारत रत्न 2008

एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी

→ भारत रत्न 1998

17. मैंडोलिन Mandoline

U. श्रीनिवासन

किशोर देसाई

18. सुरबहार Surbahar

इमरत खान, इमदाद खान
अन्नपूर्णादेवी, कुशलदास
मुश्ताक अली खान
हिरने राय, इरशाद खान

19. . हारमोनियम Harmonium

अप्पा जलगांवकर
तुलसीदास बोरकर
नुसरत फतेह अली खान
आर. के. बीजापुरे
पुरूषोत्तम वालावलकर

20. थाविल Thavil

आर. गोविन्द राजन

21. सेक्सोफोन Saxophone

कादरी गोपालनाथन

22. गिटार Gitar

बैजू धर्मजन

ब्रज भूषण काबरा

23. कंजीरा Kanjira

दक्षिणामूर्ति पिल्लई
वी. सेल्वागणेश
स्वामीनाथन सेल्वागणेश

भारतीय संगीत का इतिहास

- 👉 हमें पहली बार संगीत का साहित्यिक प्रमाण दो हज़ार वर्ष पहले वैदिक काल में मिलता है। राग खरहरप्रिया के सभी सातों स्वर साम बंद में अवरोही क्रम में पाये जा सकते हैं। संगीत विज्ञान को गन्धर्व वेद कहा जाता है, जो सामवेद का एक उपवेद है

- 👉 भरत द्वारा लिखित नाट्यशास्त्र पहली रचना थी, जिसमें संगीत विद्या के विषय को विस्तृत रूप में स्पष्ट किया गया

राग

हिन्दुस्तानी राग	समय	ऋतु	मनोभाव (रस)
भैरव	भोर	कोई भी मौसम	शांति
हिण्डोल	प्रात: काल	बसंत	युवा जोड़े की मिठास का आह्वान करता है
दीपक	रात	ग्रीष्मकाल	करुणा
मेघ	देर रात	वर्षा ऋतु	साहस
श्री	सायंकाल	शीतकाल	हर्ष
मालकौंस	मध्यरात्रि	शीतकाल	वीर

ताल

👉 धुनों का लयबद्ध समूह ही ताल कहलाता है। यह लयबद्ध चक्र 3 से लेकर 108 धुनों का होता है।

भारतीय संगीत का वर्गीकरण

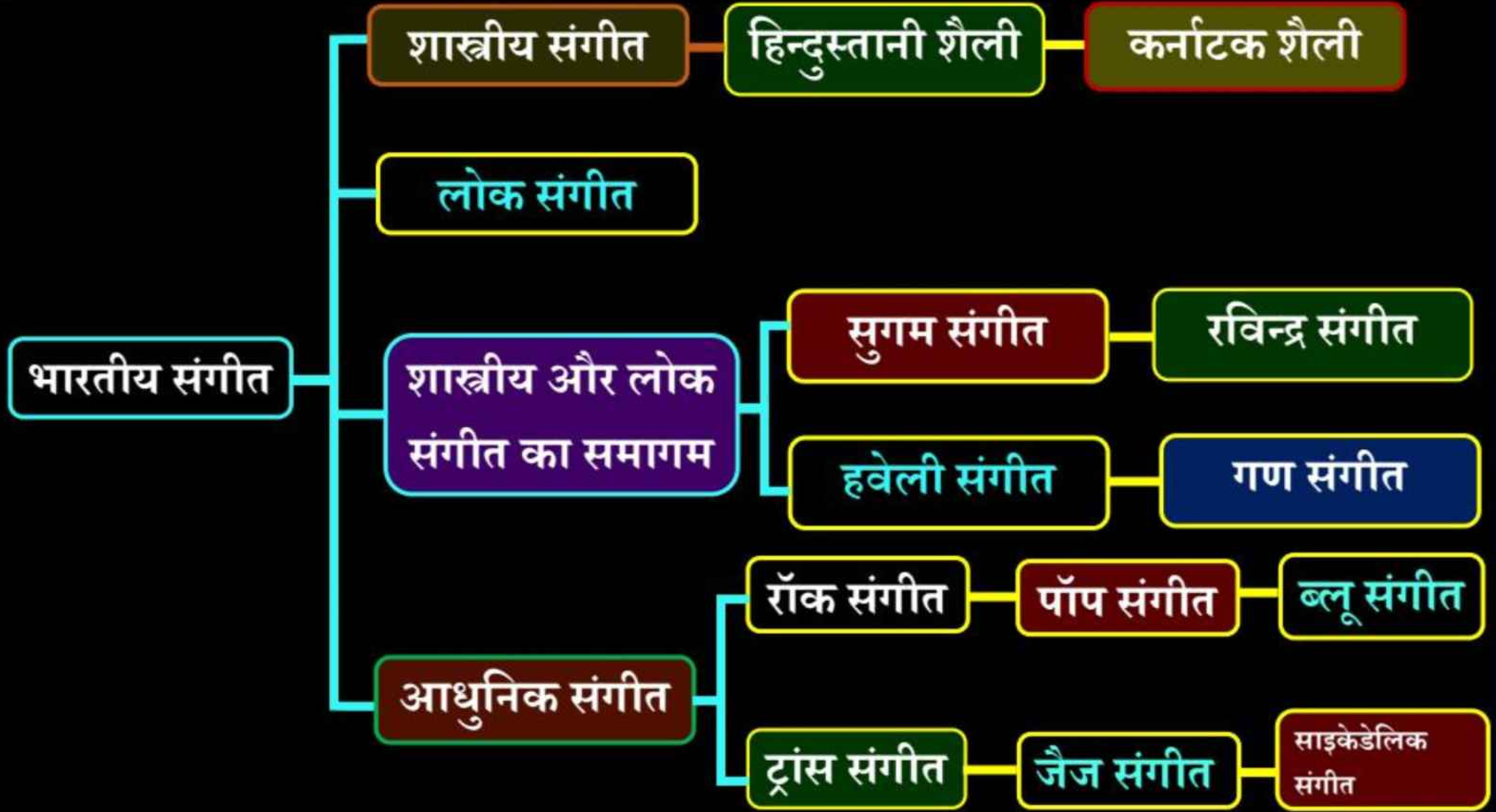

शास्त्रीय संगीत -

👉 भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो अलग-अलग शैलियों का विकास हुआ है:

1. हिंदुस्तानी संगीत : इसका भारत के उत्तरी भागों में अभ्यास किया जाता है।
2. कर्नाटक संगीत : इसका भारत के दक्षिणी भागों में अभ्यास किया जाता है।

हालाँकि दोनों प्रकार के संगीत की ऐतिहासिक जड़ें भरत के नाट्यशास्त्र में पायी जाती हैं, परंतु इनमें 14वीं सदी में अलगाव हो गया।

हिंदुस्तानी संगीत

संगीत की हिंदुस्तानी शाखा संगीत संरचना और उसमें तात्कालिकता की संभावनाओं पर अधिक केंद्रित होती है। हिंदुस्तानी शाखा में शुद्ध स्वर सप्तक या 'प्राकृतिक स्वरों के सप्तक' के पैमाने को अपनाया गया।

'ध्रुपद', 'धमार', 'होरी', 'ख्याल', 'टप्पा', 'चतुरंग', 'रससागर', 'तराना', 'सरगम' और 'ठुमरी' जैसी हिंदुस्तानी संगीत में गायन की दस मुख्य शैलियाँ हैं। जिनमें से प्रमुख शैलियाँ इस प्रकार हैं

ध्रुपद शैली :- यह हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सबसे पुराने और भव्य रूपों में से एक है तथा इसका वर्णन नाट्यशस्त्र में भी किया जाता है।

प्रमुख ध्रुपद गायक :- अमीर खुसरो, स्वामी हरिदास, मियाँ तानसेन, बेजूबावरा, नौबत खान, गुणसमुंद्र

प्रमुख ध्रुपद घराने

👉 डागरी घराना, दरभंगा घराना, लयकारी, बेतिया घराना, तलवंडी घराना

ख्याल शैली

- ‘ख्याल शैली (ख्याल) शब्द फारसी से लिया गया है, जिसका अर्थ ‘विचार या कल्पना’ होता है। उल्लेखनीय है कि इस शैली के उद्भव का श्रेय अमीर खुसरो को दिया जाता है।
- 15वीं सदी में हुसैन शाह (शर्की जौनपुर सल्तनत के शासक) इसके सबसे बड़ा संरक्षक थे
- असाधारण ख्याल रचनाएँ भगवान कृष्ण की स्तुति में की जाती है,
- ख्याल संगीत के अंतर्गत प्रमुख घराने है।

ग्वालियर घराना

👉 कलाकार :- नत्थू खान, विष्णु दिगंबर पलुस्कर

किराना घराना

👉 कलाकार :- अब्दुल करीम खान, अब्दुल वाहिद खान, पंडित भीमसेन जोशी

आगरा घराना :- अगरा घराने का संगीत ख्याल और ध्रुपद गायकी का मिश्रण है।

👉 कलाकार :- हाजी सुजान खान, फैयाज खान, हुसैन खान

पटियाला घराना :-

👉 कलाकार :- फतेह अली खान, अली बख्श जरनैल खान, बड़े गुलाम अली खान

भिंडी बजारा घराना :-

👉 कलाकार - छज्जू खान, नजीर खान, खादिम हुसैन

तराना शैली:-

- इसमें तीव्र गति से गाये जानेवाले कई शब्दों का प्रयोग होता है। 13वीं-14वीं शताब्दी में अमीर खुसरो द्वारा फिर से तराना शैली का आविष्कार किया गया।
- विश्व के एक प्रसिद्ध तराना गायक मेवाती घराने के पंडित रत्न मोहन शर्मा
- उपाधि:- तराना के बादशाह

हिन्दुस्तानी संगीत की अर्द्ध-शास्त्रीय शैली

- संगीत की अर्द्ध-शास्त्रीय शैली भी स्वर (सुर) पर आधारित है।
- कुछ प्रमुख अर्ध-शास्त्रीय शैलियों जैसे ठुमरी, टप्पा और गजल की नीचे चर्चा की गई गयी है।

ठुमरी :- यह उत्तर प्रदेश में उत्पन्न हुई और आमतौर पर मिश्रित सरल रागों पर आधारित है।

- ठुमरी शास्त्रीय नृत्य कथक से जुड़ी हुई है।
- ठुमरी के मुख्य घराने वाराणसी और लखनऊ में स्थित है और ठुमरी गायन की सबसे कालातीत (प्रसिद्ध) आवाज बेगम अख्तर की है
- पूरब अंग ठुमरी के गिरिजा देवी और छन्नूलाल मिश्रा अन्य प्रसिद्ध प्रस्तावक है।

टप्पा :- इस शैली में लय की बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि रचनाएँ तेज, सूक्ष्म और जटिल संरचनाओं पर आधारित होती है।

- इस शैली के कुछ विशिष्ट प्रतिपादाकों में से हैं- ग्वालियर घराने के लक्ष्मण राव पण्डित तथा रामपुर-सहसवाँ घराने के शन्नो खुराना

गजल :- गजल एक छोटी कविता होती है जिसमें तुकबन्दीवाले दोहे होते है, जिन्हें बैत या शे'र कहा जाता है।

- इसका विषय केवल प्रेम होता है
- भारत में पहला गजल लिखने वाले अमीर खुसरो थे
- गजल से जुड़ी कुछ प्रमुख हस्तियों :-
- मुहम्मद इकबाल, मिर्जा गालिब, रूमी, हाफिज, काजी नजरूल इस्लाम

कर्नाटक संगीत

👉 कर्नाटक संगीत मुख्य रूप में दक्षिण भारत से जुड़ा है। यहाँ मुख्य रूप से स्वर संगीत पर जो दिया गया है। जहाँ अधिकांश रचनाएँ गाने के लिए लिखी जाती हैं। अधिकांश कर्नाटक रचनाएँ या तो तेलुगू, कन्नड, तमिल या संस्कृत में हैं।

👉 हिन्दुस्तानी संगीत की तरह कर्नाटक संगीत भी दो तत्त्वों पर आधारित है- राग और ताल। किसी कर्नाटक शैली में प्रत्येक रचना के कई भाग होते है।

👉 पल्लवी :-

👉 अनुपल्लवी :-

👉 चरण :-

कर्नाटक संगीत के शुरुआती प्रतिपादक

अन्नमाचार्य :-

- कर्नाटक संगीत के पहले जाने-माने संगीतकार

पुरंदर दास

- कर्नाटक संगीत के संस्थापक प्रतिपादकों में से एक
- वे भगवान् कृष्ण के भक्त थे
- उन्हें ऋषि नारद का अवतार माना जाता है।
- उनकी प्रसिद्ध रचना में दास साहित्य शामिल है।

क्षेत्रय्या:-

- इनके पद्म आज भी भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी प्रदर्शन के दौरान गाये जाते हैं।

भक्त रामदासु :-

वेंकटमखिन:-

- वह कर्नाटक संगीत के एक प्रसिद्ध प्रस्तावक थे।
- उन्होंने चतुर्दण्डीप्रकाशिका नामक ग्रन्थ लिखा।
- गुडलूर नारायणस्वामी बालासुब्रमण्यम, सारंगदेव, टी.एम कृष्णा और ओ.एस. अरुण कर्नाटक संगीत के कुछ प्रसिद्ध संगीतकार हैं।

कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति

- त्यागराज
- मुथुस्वामी
- श्यामा शास्त्री

👉 एमएस सुब्बालक्ष्मी , डीके पट्टम्मल , और एमएल वसंतकुमारी , जो 20वीं सदी के कर्नाटक संगीतकार हैं, को लोकप्रिय रूप से कर्नाटक संगीत की महिला त्रिमूर्ति के रूप में जाना जाता है

भारतीय संगीत पर महत्वपूर्ण पुस्तकें

सामवेद	व्यास
नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
शिल्पादिकारम	इलांगो
अभिलाषितार्थ चिन्तामणि	सोमेश्वर
गीत गोविन्द	जयदेव
संगीत रत्नाकार	सारंगदेव
संग्रह चूड़ामणि	गोविन्दाचार्य
संगीत दर्पण	दामोदर पंडित

लोक संगीत

- भारत भौगोलिक दृष्टि से विविधतापूर्ण राष्ट्र है और यह विविधता भारतीय संस्कृति में भी प्रतिबिम्बत है।

लोकगीत / Folk song		राज्य /State
दस्कथिया, संभलपुरी, पाला Daskathia, Sambhalpuri, Pala	→	ओडिशा Odisha
धाडी, टप्पा, जुगनी, महिया Dhadi, Tappa, Jugni, Mahiya	→	पंजाब Punjab

- भलारी, ललिता, पोवाड़ा, ओवी, गोंधर, लावणी, अभंग, भावगीत → महाराष्ट्र Maharashtra

  Bhalari, Lalita, Powada, Ovi, Ghondhar, Lavani, Abhang, bhavgeet

- सोहर / Sohar → बिहार Bihar

- भटियाली, भवैया, बहुला, बाउल, रविन्द्र संगीत → पश्चिम बंगाल

  Bhatiyali, Bhaiya, Bahula, Baul, Ravindra Sangeet → West Bengal

- जा-जिन-जा, रोप्पी → अरूणाचल प्रदेश
  Roppi, Ja- Jin- ja → Arunachal Pradesh
- चलो Chalo → हरियाणा Haryana
- मांडो Mando/ (मांडोक Maandok) → गोवा Goa
- पंखिडा, मांड, पनिहारी, लोटिया → राजस्थान Rajasthan
  Pankhida, mand, Panihari, Lotiya
- पांडवानी / Pandavani → छत्तीसगढ़ Chhattisgarh
- चकरी, भाखा /Chakri, Bhakha → जम्मू और कश्मीर J&K

- बिरहा, बरहमासा, कजरी, होरी → उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh

  Birha, Barhamasa, Kajri, Hori

- सोपान संगीतम, भूता गीता → केरल Kerala

  Sopan, sangeetm, Bhuta Geeta

- जिकिर, टोकरी , गोलपरिया, बोरगीत, दिहनाम → असम Assam

  Jikir, Tokri, Golpariya, Borgeet

- झूमर/ Chandelier → झारखण्ड Jharkhand

- भव, डोलू कुनीया **Bhava, Dolu Kuniya** → कर्नाटक **Karnataka**
- जूरी, लामान **Jury, Laman** → हिमाचल प्रदेश **Himachal Pradesh**
- जोड़ा, घसियारी **Joda, Ghasiyari** → उत्तराखण्ड **Uttarakhand**
- मदिगा दप्पू / **Madiga dappu** → आन्ध्र प्रदेश **Andhra Pradesh**
- बिल्लू पपतु धनुष , अम्मानईवारी, उरूमि मेलम, तेवरम → तमिलनाडु

  Billu Paptu Dhanush, Ammanaivari Urumi Melm, Tevram **Tamil Nadu**

- हेलिमलेउ, नीउलेउ, हेरेलेउ **Helimleu, Niuleu, Hereleu** → नागालैण्ड
- खोंगजम, खूबाकेशेई, संकीर्तन → मणिपुर **Manipur**
- **Khongjam, khubakeshei, Sankirtan**
- सैकुती जाई, चाय हला **Saukti Jai, Tea Hala** → मिजोरम **Mizorm**

चित्रकला, लोककला (Painting, Folk Art)

राज्य State	लोक कला Folk art
आंध्र प्रदेश	कलमकारी **Kalamkari**, मुग्गुलू **Muggulu**
बिहार	मधुबनी (मिथिला) **Madhubani (Mithila)** अरिपन + गोदना **Aripan + Godana**
झारखंड + बिहार	जादोपटिया **Jadopatiya** + पैतकर **Paytkar**
कर्नाटक	रंग वाली + कसुती **Rang wali + Kasuti**
हिमाचल प्रदेश	अरोफ + पहाड़ी + गुलेर + कांगड़ा **Arof + Pahari + Guler + Kangda**
कोलकाता	काली घाट **Kali Ghat**
लखनऊ (उ0प्र0)	चिकनकारी **Chikankari**

मध्य प्रदेश	बाघ **Bagh** + गोण्ड **Gond**
महाराष्ट्र	वर्ली (वारली) + रंगोली **(Warli) + Rangoli**
ओड़िशा	पट्टचित्र + सौरा **Pattachitra + Soura**
गुजरात	पिथौरा + अथिया + साथिया **Pithora + Athiya + sathiya**
राजस्थान	फड़ + मंडाना + लघु + कजली + मेंहदी **Phad + Mandana + Laghu + Kajli + Mehndi**
तमिलनाडु	कोल्लम **Kollam**
	तंजौर **Tanjore**
पंजाब	फुलकारी **Phulkari**
तेलंगाना	चेरियल + निर्मल **Cherial + Nirmal**

पश्चिम बंगाल	अल्पना **Alpana**
केरल	कलमा जट्टू (कालमेजूथू) **Kalma Jattu,** मार्गोमकली **margomkali**
उत्तराखण्ड	ऐपन **Appen**
उत्तर प्रदेश	चोक पूर्णा / सोन रखना **Choke Poorna / Sona Rakhna**
श्रीलंका, बांग्लादेश	बाटिक + थांका **Batik + Thanka**
हरियाणा	फ्रेस्को पेंटिग **fresco painting**

थांगका –सिक्किम + अरूणाचल प्रदेश + लद्दाख में मनाया जाता है

भारत की प्रसिद्ध पेंटिग Famous paintings of india

1. नल दमयंती

Nal Damayanti

राजा रवि वर्मा

Raja Ravi Verma

- केरल (त्रावणकोर)
- (केसर–ए–हिन्द)

  (Kesar-e-Hind)1904
- आधुनिक चित्रकला का जनक

  father of modern painting

- जटायु वधनम पेंटिग

  Jatayu Vadhanam Painting

2. भारत माता का चित्र

Portrait of Mother India

मदर इंडिया **Mother India**

1905 में बना

Water colour use

Dress- Bangali

अबन्द्रिनाथ टैगोर

Abandrinath Tagore

(इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएण्टल आर्ट के संस्थापक)

(Founder of the Indian Society of Oriental Art)

3. तीन लड़कियों का समूह

Group of three girls

अमृता शेर–गिल

Amrita Sher-Gil

4. बापूजी, संथाली कन्या

Bapuji, Santhali kanya

नंदलाल बोस

Nandlal Bose

5. मदर टेरेसा, **Mother Teresa**

सरपट दौड़ता घोड़ा

Running Horse

मकबूल फिदा हुसैन (लंदन)

Maqbool Fida Hussain

(London)

6. गट्टू कार्टून
Gattu Cartoon

आर. के. लक्ष्मण (एशियन पेंटस के लिए)
R. K. Laxman (for Asian Paints)

→ कार्टूनिस्ट

7. मलांगगन मुखौटा

Malanggan mukheta

रविन्द्रनाथ टैगोर

Rabindranath Tagore

8. गोपीनी कालीघाट

Gopini Kalighat

जैमिनी रॉय

Jaimini Roy

9. महिषासुर की चित्रकारी, सेलिब्रेशन — तैयब मेहता

Painting of Mahishasura, Celebration — Tyeb Mehta

10. सोहनी महिवाल

Sohni Mahiwal

शोभा सिंह

Shobha Singh

विश्व की प्रसिद्ध पेंटिग World famous painting

पेंटिग painting	चित्रकार painter
1. मोनालिसा	लियोनार्डो द विंचि (इटली)
Monalisa	Leonardo da Vinci (Italy)

→ लूव्रे म्यूजियम (पेरिस)

Louvre Museum (Paris)

द् लास्ट सपर

The Last supper

लियोनार्डो द विंचि (इटली)

Leonardo da Vinci (Italy)

2. लिबर्टी लीडिंग द पीपल

युगने डेलैक्रिक्स

Liberty Leading the People

Eugène Delacroix

3. नेपोलियन का कोरोनेशन

जैक लुइस

The Coronation of Napoleon

Jacques Louis

4. स्वयं पोट्रेट

Self Portrait

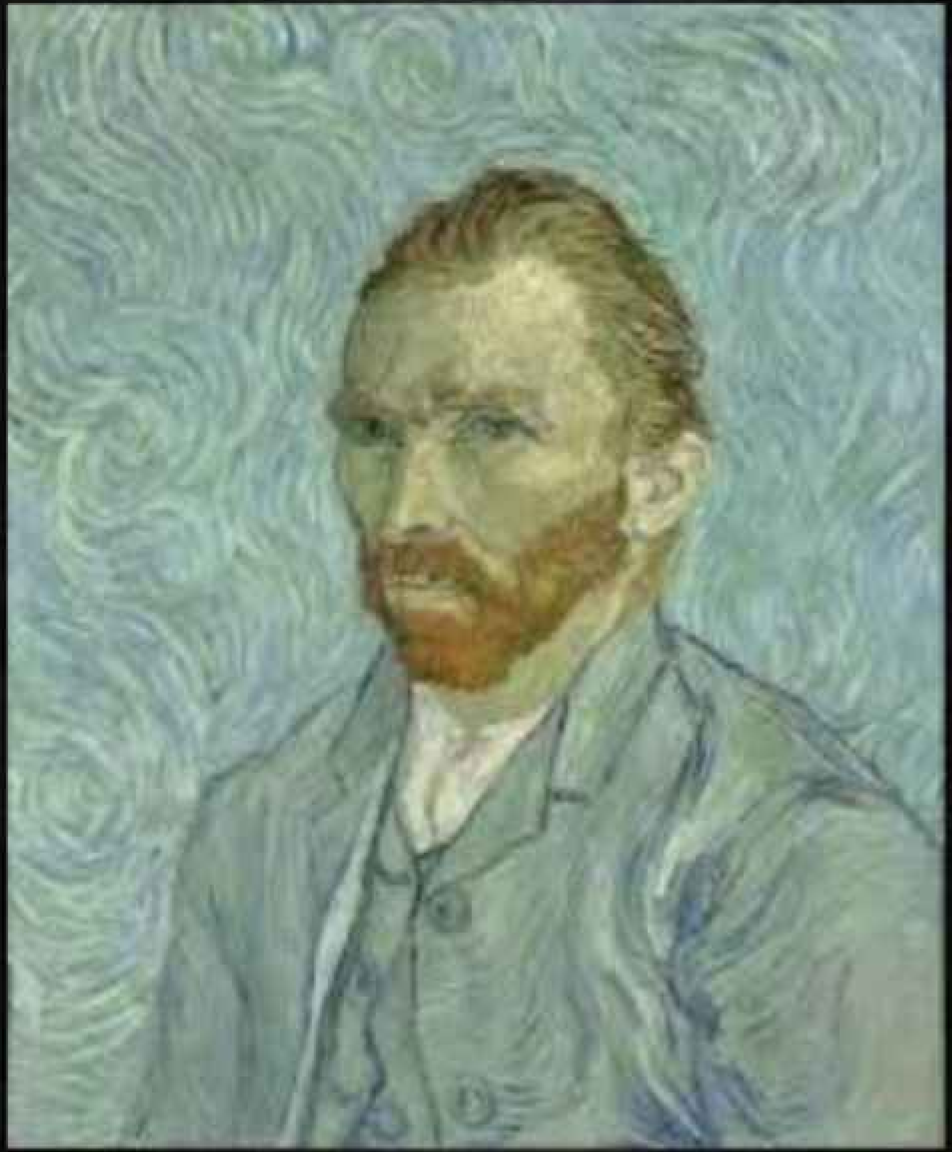

वैन गोग

Van Gogh

5. गुएर्निका

पाब्लो पिकासो (स्पेन)

Guernica

Pablo Picasso (Spain)

एविगनन की महिला **women of avignon**

मेरी थ्रीज **Mary threes**

6.द् मैरिज ऑफ द वर्जिन राफेल (इटली)

The marriage of the virgin

द सीस्टीन मैडोना **The sistine madonna**

द स्कूल ऑफ द एथेंस **The School of the Athenes**

7. द् क्रिएशन ऑफ एडम

माइकल एंजेलो (इटली)

the creation of adam

डेविड David

8. द् स्क्रीम the Scream

एडवर्ड मंच